vinetur

ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने खाद्य पदार्थों की सीमा-जांचों में से अधिकांश खत्म करने पर सहमति जताई

युवा आवागमन योजना के तहत 2030 तक हर साल दोनों पक्षों के अधिकतम 100,000 लोग एक-दूसरे के यहां रह और काम कर सकेंगे

सोमवार, 23 नवंबर 2026



यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ ने 20 नवंबर को ब्रुसेल्स में हुए शिखर सम्मेलन में खाद्य और पेय व्यापार तथा युवा आवागमन कार्यक्रम पर एक नया समझौता किया। इससे कई कृषि उत्पादों पर व्यापार-जांचें घटाने और दोनों पक्षों में युवाओं के लिए आतिथ्य क्षेत्र में काम करने का नया रास्ता खुला है।

UKHospitality ने इस समझौते का स्वागत किया। संगठन ने कहा कि इन उपायों से आगे चलकर आपूर्ति शृंखलाओं पर दबाव कम हो सकता है और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे नियोक्ताओं को मदद मिल सकती है, हालांकि किसी भी बदलाव से तत्काल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

खाद्य और पेय संबंधी समझौते के तहत, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बीच खाद्य और कृषि उत्पादों के व्यापार पर लागू

अधिकांश स्वास्थ्य एवं पादप-स्वास्थ्य जांचें और उनसे जुड़ी कागजी कार्रवाई हटाए जाने की उम्मीद है। मांस, डेयरी उत्पाद और मछली जैसे उत्पादों को निर्यात स्वास्थ्य प्रमाणपत्रों और नियमित सीमा-जांचों के खत्म होने से लाभ हो सकता है। हालांकि, ये बदलाव 1 मार्च 2028 से पहले लागू नहीं होंगे और इनके लिए जरूरी कानूनी तथा प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी।

UKHospitality के मुख्य कार्यकारी एलन सिम्पसन ने कहा कि इस समझौते से क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ती लागतों में से एक को कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि खाद्य और पेय पदार्थों की महंगाई आतिथ्य कारोबारों पर दबाव की बड़ी वजह रही है और उम्मीद जताई कि व्यापार संबंधी बदलावों से आपूर्ति शृंखला की लागत घटेगी।

इसका असर रसोईघरों से आगे तक हो सकता है। अगर कम सीमा-जांचों और कम कागजी कार्रवाई से महाद्वीपीय यूरोप से आयात में बाधाएं घटती हैं, तो पब, बार और रेस्तरां को यूरोपीय वाइन, बीयर, स्पिरिट और पेय पदार्थों में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियों तक पहुंच भी आसान हो सकती है। हालांकि, पेय कारोबारों को कितना लाभ होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कम लागत का कितना हिस्सा आपूर्ति शृंखला के जरिए आगे पहुंचता है।

ब्रिटिश सरकार ने कहा कि व्यापक समझौते से 2040 तक ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में हर साल £5.1 billion का इजाफा हो सकता है। हालांकि, मंत्रियों ने यह मानकर चलने से भी आगाह किया कि व्यापार की कम बाधाएं जल्द ही उपभोक्ताओं या कारोबारों के लिए कम कीमतों में दिखेंगी।

व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने 20 नवंबर को BBC Breakfast पर कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकते कि खाद्य पदार्थ सस्ते होंगे, क्योंकि दूसरे कारक कीमतों को प्रभावित करते रहेंगे। फिर भी, उन्होंने कहा कि नौकरशाही, सीमा पर आने वाली अड़चनों और भौतिक तथा इलेक्ट्रॉनिक जांचों में कटौती से आपूर्ति शृंखला की लागत कम होनी चाहिए।

आतिथ्य क्षेत्र के कारोबारों के लिए तस्वीर मिली-जुली है। यूरोपीय आपूर्तिकर्ताओं से खाद्य या पेय पदार्थ खरीदने वाले कारोबारों को समय के साथ कम प्रशासनिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन बचत कब और कितनी होगी, यह अभी अनिश्चित है। काफी कुछ समझौते को लागू करने के तरीके, आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के मूल्य संबंधी फैसलों तथा अर्थव्यवस्था में महंगाई के व्यापक दबाव पर निर्भर करेगा।

शिखर सम्मेलन में Youth Experience Scheme भी तय हुई। इसके तहत 18 से 31 वर्ष की आयु के दोनों पक्षों के अधिकतम 100,000 लोग हर साल दूसरे पक्ष के अधिकार क्षेत्र में तीन साल तक रह, काम, पढ़ाई और यात्रा कर सकेंगे। यह कार्यक्रम वीजा के आधार पर चलेगा, इसके प्रतिभागियों को सामाजिक लाभ नहीं मिलेंगे और वे अपने आश्रितों को साथ नहीं ला सकेंगे। इसे जनवरी 2030 तक लागू करने का लक्ष्य है।

UKHospitality ने कहा कि इस योजना से ब्रिटेन और यूरोप के बीच युवाओं के कामकाज के लंबे समय से चले आ रहे आवागमन को फिर शुरू किया जा सकता है। इससे उन्हें अलग-अलग आतिथ्य बाजारों में अनुभव हासिल करने और नए कौशल के साथ लौटने का मौका मिलेगा। यह रेस्तरां, होटल, पब और बार के लिए अहम हो सकता है, जिन्हें ब्रिटेन के यूरोपीय संघ की मुक्त आवागमन व्यवस्था से बाहर होने के बाद से कर्मचारियों की भर्ती में मुश्किल हुई है।

फिर भी, इस योजना से निकट भविष्य में श्रमिकों की कमी दूर होने की उम्मीद नहीं है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों की संख्या सीमित होगी, इसे शुरू होने में अभी कई साल हैं और कारोबारों पर भर्ती का तत्काल दबाव बना हुआ है। फ्रंट-ऑफ-हाउस भूमिकाओं, रसोई और बार संचालन के लिए कर्मचारियों की तलाश कर रहे नियोक्ताओं को कुछ समय तक इसका सीधा असर दिखने की संभावना नहीं है।

इस समझौते ने यूरोपीय संघ के साथ ब्रिटेन के दीर्घकालीन संबंधों पर नई राजनीतिक चर्चा भी छेड़ दी। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने कहा कि वह 2016 के ब्रेक्जिट जनमत-संग्रह का सम्मान करते हैं, लेकिन ब्रिटेन और यूरोपीय संघ, दोनों तब से बदल चुके हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य के विकल्पों पर विचार करने के लिए वह अगले साल यूरोपीय नेताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत करना चाहते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि 20 नवंबर के समझौते मौजूदा संसद के कार्यकाल में

हासिल की जा सकने वाली उपलब्धियों की शायद सीमा हैं।

बर्नहैम ने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ के साथ ब्रिटेन के भविष्य के संबंधों पर कोई बड़ा फैसला अगली संसद को करना होगा और ऐसा फैसला जनमत से आगे नहीं जाना चाहिए।

फिलहाल, शिखर सम्मेलन का व्यावहारिक महत्व उन धीमे, तकनीकी बदलावों में है जो सीमा-पार व्यापार और श्रमिकों के आवागमन में ला सकता है। आतिथ्य क्षेत्र के संगठनों को आयातित वस्तुओं के लिए कम बाधाओं और युवा कर्मचारियों के व्यापक समूह से संभावित लाभ दिखता है। लेकिन समझौते के दोनों हिस्सों को लागू होने में लंबा समय लगेगा और लागत, कर्मचारियों तथा कीमतों पर उनका अंतिम असर आने वाले वर्षों में उपायों को लागू करने के तरीके पर निर्भर करेगा।